

14.02.23

अमिलेरेव उपस्थापित। प्रथम पक्ष अग्रलिपि।
द्वितीय पक्ष जवादी के साथ हाजरी की
गई। वाद में प्रथम पक्ष को जवाही उपस्था-
पित करने हेतु अंतिम मौका दिया गया।
परन्तु प्रथम पक्ष की ओर से न तो जवाही
उपस्थापित किया गया। न ही वाद में हथि-
लिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में प्रतीत
होता है कि विवादित भूमि को लेकर
परवल - कुवजा को लेकर विवाद प्रतीत नहीं
होगा है। अतः वाद में अमिलेरेव की
कार्रवाई को बन्द ही जाती है।

14/02
अनु देसाय
कुछ।